



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
वंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 07-11-2025

फिरोजाबाद(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-11-07 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-11-08	2025-11-09	2025-11-10	2025-11-11	2025-11-12
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	28.0	29.0	29.0	29.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	15.0	15.0	15.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	57	66	69	61	58
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	41	42	43	42	43
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	11	7	4	7
पवन दिशा (डिग्री)	291	301	293	280	298
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं				

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पाँच दिनों तक आसमान साफ़ रहने के कारण बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 28.0-29.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य से 1-2°C कम रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 15.0-17.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता का अधिकतम और न्यूनतम स्तर 27-39% और 11-13% के मध्य रहेगा। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम है और गति 4.0-12.0 किमी/घंटा के मध्य रहेगी, तथा हवा की गति सामान्य से 5-6 किमी/घंटा अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों की कटाई/मढ़ाई तथा रबी की फसलें जैसे-चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी, आलू एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए। धान की 85% सुनहरे रंग की दिखाई देने पर खड़ी फसलों की कटाई करें।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों की कटाई/मढ़ाई तथा रबी की फसलें जैसे-चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी, आलू एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की

विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए। धान की 85% सुनहरे रंग की दिखाई देने पर खड़ी फसलों की कटाई करें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों की कटाई/मङ्गाई तथा रबी की फसलें जैसे-चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी, आलू एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए। धान की 85% सुनहरे रंग की दिखाई देने पर खड़ी फसलों की कटाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे परिपक्व फसलों की कटाई एवं मङ्गाई तथा रबी फसलों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	धान परिपक्व फसलों की कटाई एवं मङ्गाई के लिए मौसम अनुकूल हैं तथा कटाई के पश्चात लॉक को 2-3 दिन तक धूप में सूखाने के बाद मङ्गाई का कार्य करें। मङ्गाई के बाद धूप में 3-4 दिन तक सूखाकर बीज को भण्डारित करें।
गेहूँ	मौसम के दृष्टिगत सिंचित दशा में गेहूँ की बुवाई के लिए तापक्रम अनुकूल है, अतः गेहूँ की बुवाई का कार्य 10 नवम्बर से प्रारम्भ करें। गेहूँ की बुवाई के लिए खेत की तैयारी करें तथा क्षेत्रीय प्रजाति पी.बी.डब्ल्यू.-723, एच.पी.बी.डब्ल्यू.-01, डी.बी.डब्ल्यू.-39, के.-9107, के.-1006, के.-402, के.-607, डी.बी.डब्ल्यू.-90, डब्ल्यू.बी.-02, एन.डब्ल्यू.-5054, एच.डी.- 3043, यू.पी.-2382, एच.यू.डब्ल्यू.-468, पी.बी.डब्ल्यू.-443, एच.डी.- 2967 आदि, ऊसर भूमि के लिए संस्तुति प्रजाति :- के.आर.एल.-210, के.आर.एल.-213, के.-1317 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था करें।
रेपसी ड	तोरिया की फसल में बालदार सुण्डी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बैंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। तोरिया की फसल में सिचाई का कार्य आवश्कतानुसार करें तथा ओट आने पर यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें।
सरसों	सरसों की फसल में आरा मक्खी- अंकुरण के 7 से 10 दिन में ये कीट अधिक हानि पहुंचाते हैं। इनकी रोकथाम के लिए सुबह या शाम के समय मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या मैलाथियान 5 प्रतिशत या कारबैरिल 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से भुकाव करें। राई/सरसों की संस्तुति प्रजातियाँ- पूसा सरसों-34, पूसा सरसों-32, सी - 5-64 (सीएस2005-143), पूसा ओओएम-36 (पीडीजेड-15), बीएमपी-II (डीअीएमआर), आजाद महक, सुरेखा (केएमआर-16-02), वरुण, रोहिणी, नरेंद्र राई- 8501, माया, वैभव आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 3-4 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई के कार्य साफ मौसम में करें।
फील्ड पी	मटर के फसल की संस्तुति प्रजातियाँ- रचना, मालवीय मटर -15, सपना आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 100-125 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
चना	चना के फसल की संस्तुति प्रजातियाँ- अवरोधी, पूसा-256, पूसा-362, के डब्लू.आर-108, के -850, के डी.जी -1168 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए छोटे दानों का बीज 75-80 किलोग्राम व बड़े दाने की प्रजाति के लिए 90-100 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू की संस्तुति प्रजातियाँ- कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी पुखराज, कुफरी सूर्या, कुफरी ख्याति, कुफरी बहार और कुफरी अशोका तथा मुख्य किसें-कुफरी बहार, कुफरी आनंद, कुफरी बादशाह, कुफरी सिन्दुरी, कुफरी सतलज, कुफरी लालिमा, कुफरी अरुण, कुफरी सदाबहार, कुफरी पुखराज, कुफरी

बागवानी		बागवानी विशिष्ट सलाह
		गरिम, कुफरी लिमा, कुफरी ललित, कुफरी संगम, कुफरी नीलकंठ, कुफरी गंगा, कुफरी थार- 3, कुफरी मोहन, कुफरी नीलकंठ, कुफरी सूर्या, कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-3, कुफरी चिप्सोना-4 और कुफरी फ्राईसोना आदि की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। आलू के फसल में चेचक रोग से बचाव हेतु कन्दो को 100 ग्राम स्ट्रेण्साइक्लीन या बोरिक एसिड को 10 लीटर पानी में घोल बनाकर बीज पर छिड़काव करे तथा अंकुरित बीज को उपचारित न करे।
लहसुन		फूलगोभी, पत्तागोभी, टमाटर एवं मिर्च की तैयार पौध की रोपाई करें। सब्जिओं की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु नीम आयल की १.५ मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर ३-४ छिड़काव ८-१० दिन के अंतराल पर करे। हरी मटर, गाजर, मूली, लहसुन, धनिया, पालक, सोया एवं मेथी आदि की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।
पपीता		आम, अमरुद, आँवला, नीबू आदि के नए बागों में नष्ट हुए पौधों के स्थान पर नए पौधों की रोपाई करे। केले/पपीते के बागों की गुड़ाई-करके तने के चारों तरफ २५-३० सेंटीमीटर ऊँची मिट्टी चढ़ा दे। केले/पपीता के फलदार वृक्षों में लकड़ी या बॉस के स्टैण्ड लगायें। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु २% कार्बिरिल १.५ % धूल का बुरकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्भवती भैसों/गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। गर्भवती भैसों/गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुधरे स्थान पर रखें। गला घोटू रोग से बचाव हेतु पशुओं का टीकाकरण अवश्य करायें। बदलते मौसम को देखते हुए पशुओं को रात्रि के समय खुले स्थान पर न बांधे तथा पशुओं के स्वास्थ्य एवं बिमारी की देखभाल करना सुनिश्चित करें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करें। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। मुर्गियों / चूजों को पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था करें। कृमिनाशक दवा पिलायें। रानीखेत बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण करायें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों की कटाई/मढ़ाई तथा रबी की फसलें जैसे-चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी, आलू एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए। धान की ८५% सुनहरे रंग की दिखाई देने पर खड़ी फसलों की कटाई करें।
--

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों की कटाई/मढ़ाई तथा रबी की फसलें जैसे-चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी, आलू एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए। धान की ८५% सुनहरे रंग की दिखाई देने पर खड़ी फसलों की कटाई करें।
--

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android

application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details/>